स्वागत उद्‌बोधन एवं विश्वविद्यालय प्रगति प्रतिवेदन

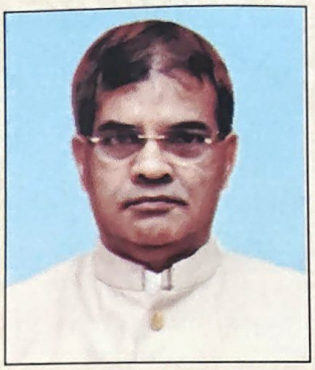

माननीय कुलपति

प्रो0 राणा कृष्ण पाल सिंह

आज विश्वविद्यालय के 'दशम् दीक्षांत समारोह' के इस विशिष्ट अवसर पर हम अत्यंत गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं तथा ज्ञान के इस सारस्वत् महोत्सव में इन अविस्मरणीय क्षणों का साक्षी होने के लिए आप सभी उपस्थित आगन्तुकों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं।

आज डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के दशम् दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता कर रहीं–

माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं इस विश्वविद्यालय की कुलाध्यक्ष, श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी!

समारोह के मुख्य अतिथि डिसेबल वेलफेयर ट्रस्ट ऑफ इंडिया के संस्थापक, पद्म श्री से विभूषित डॉ0 कनुभाई हसमुख भाई टेलर जी!

माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, श्री नरेन्द्र कश्यप जी!

सामान्य परिषद्, कार्य परिषद्, एवं विद्या परिषद् के सम्मानित सदस्यगण, संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षकगण, अधिकारीगण, एवं कर्मचारीगण, आमंत्रित गणमान्य अतिथिगण, विद्यार्थी एवं उनके गौरवान्वित माता–पिता एवं अभिभावक, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से पधारे पत्रकार बन्धु, देवियों और सज्जनों!आप सभी का मैं विश्वविद्यालय के दशम् दीक्षांत समारोह के अवसर पर हार्दिक स्वागत करता हूँ।

यह हमारे लिये परम सौभाग्य का विषय है कि विश्वविद्यालय सतत् प्रगति पथ पर अग्रसर होते हुए इस भव्य अटल प्रेक्षागृह में अपना दशम् दीक्षांत समारोह आयोजित कर रहा है। यह सुविदित है कि दिव्यांगजनों के शैक्षणिक उन्नयन के माध्यम से उन्हें सशक्त बना कर समाज की मुख्य धारा में समावेशित करने हेतु कृत संकल्पित यह विश्वविद्यालय निरन्तर प्रगति के नये आयाम गढ़ रहा है।

दिव्यांगजनों को पूर्णतया बाधारहित वातावरण में उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करने के लिये इस विश्वविद्यालय की स्थापना उत्तर प्रदेश सरकार के दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा वर्ष 2008 में की गई। इस विश्वविद्यालय में गुणवत्तापरक समावेशी शिक्षा पद्धति से आकृष्ट होकर भारत के विभिन्न राज्यों के विद्यार्थी यहाँ अध्ययनरत् हैं। इस विश्वविद्यालय में दिव्यांग विद्यार्थियों को शिक्षा, भोजन एवं छात्रावास इत्यादि की निःशुल्क सुविधांए प्रदान की जा रही हैं।दिनांक 03 दिसम्बर, 2022 को विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय के इसी अटल सभागार में सम्पन्न हुआ, जिसमें दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान करने वाले कुल 57 व्यक्तियों, संस्थाओं एवं विद्यार्थियों को राज्य दिव्यांगता पुरस्कार से सम्मानित किया गया तथा दिनांक 1 अगस्त 2023 को आयोजित स्वामी विवेकानंद टेबलेट, स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम के अवसर पर विश्वविद्यालय के 1280 विद्यार्थियों को टेबलेट तथा स्मार्टफोन का वितरण कार्यक्रम माननीय राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग श्री नरेन्द्र कश्यप जी के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ।

आप सभी को अवगत कराते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है कि यह विशिष्ट विश्वविद्यालय दिव्यांग विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा की प्राप्ति में आ रहे व्यवधान एवं चुनौतियों के समाधान हेतु निरन्तर प्रयत्नशील है।

इसी क्रम में, उच्च शिक्षा में **श्रवण बाधित विद्यार्थियों** को अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय द्वारा इन्टरमीडिएट स्तर का **प्री डिग्री कोर्स फॉर डेफ स्टूडेंट्स** संचालित किया जा रहा है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में डेफ कॉलेज की भी स्थापना की गई है।दिनांक 18 मार्च 2023 को दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नरेन्द्र कश्यप जी की अध्यक्षता में आयोजित काक्लियर इम्प्लांट सर्जरी कार्यशाला एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर में लखनऊ मण्डल के समस्त जनपदों में कराये गये काक्लियर इम्प्लांट सर्जरी से आच्छादित 37 बच्चों एवं उनके अभिभावकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। दिनांक 10 मई 2023 से 24 मई 2023 तक बेसिक ओरिएंटेशन ऑन इंडियन साइन लैंग्वेज विषय पर 15 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन भी किया गया।

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के अध्ययन को सुगम बनाने हेतु ब्रेल लिपि में अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। माननीय कुलाध्यक्ष महोदया द्वारा इसकी एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में ब्रेल प्रेस का उद्घाटन विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। इसी श्रृंखला में विश्वविद्यालय परिसर में 'टॉकिंग बुक स्टूडियो' की भी स्थापना की गई है। इस स्टूडियो में दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को ध्वनि आधारित अध्ययन सामग्री सुलभ है। विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की ब्रेल लिपि में पुस्तकें, पत्र एवं पत्रिकाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। दिनांक 4 जनवरी 2023 को अन्तर्राष्ट्रीय ब्रेल दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में ब्रेल लिपि के जन्मदाता लुई ब्रेल के 214वें जन्मदिवस समारोह का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय परिवार ने अपने परिसर में ब्रेल प्रेस की स्थापना और संचालन का संकल्प लेकर लुई ब्रेल के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की।

दिव्यांगजनों को निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रदान किए जाने हेतु विश्वविद्यालय में **'कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केन्द्र'** स्थापित इस केन्द्र में विगत एक वर्ष में कुल 03 प्रशिक्षण कार्यक्रम, 01 राज्य स्तरीय संगोष्ठी, 04 कैम्प तथा 05 जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। केन्द्र द्वारा पंजीकरण एवम् निःशुल्क परामर्श सेवा के माध्यम से अब तक 2950 दिव्यांग लाभान्वित हो चुकें है।साथ ही इस केन्द्र द्वारा अब तक 2544 दिव्यांगों को निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं उपकरण प्रदान किये गये हैं। यह केन्द्र दिव्यांगजनों को उत्तम एवं नवीन तकनीक पर आधारित सुविधा प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है। इस दिशा में केन्द्र ने दो नवीन ईकाई, जिसमें **आधुनिक माड्यूलर कृत्रिम** अंग तथा **आधुनिक विपाटन (स्पिलिंटग)** तकनीक की सुविधा दिव्यांगजनों हेतु प्रारम्भ की गई है।

इस केन्द्र के अन्तर्गत बी0पी0ओ0 एवं एम0पी0ओ0 पाठ्यक्रम संचालित हैं। बी0पी0ओ0 पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों हेतु **परिसर सेवायोजन कार्यक्रम(कैम्पस प्लेसमेंट प्रोग्राम)** का आयोजन किया गया, जिसमें बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में 05 तथा भारत सरकार के अधीनस्थ भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम, कानपुर में कुल 08 विद्यार्थियों का इस वर्ष सेवायोजन हुआ है।3डी प्रिन्टिंग तकनीक से कृत्रिम अंग एवं प्रत्यंग का निर्माण कर दिव्यांगजनों को बेहतर सुविधा प्रदान करते हुए दिव्यांगता के क्षेत्र में उन्नत अनुसंधान को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय ने पहल कर दी है। भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली एवं डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 3डी0 प्रिन्टिंग तकनीक के उपयोग पर आधारित राज्य स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

मुझे आप सभी को अवगत कराते हुए अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को राज्य सरकार के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय में सत्र 2021–22 से क्रियान्वित कर दिया गया है। पी–एच.डी पाठ्यक्रम के कोर्स वर्क में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत **बहु अनुशासनिक (मल्टीडिसीप्लिनरी)** एवं **शिक्षणशास्त्र (पैडागॉजी)** को भी सम्मिलित कर लिया गया है।राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में प्रमुख सुधारों को क्रियान्वित किए जाने हेतु डॉ0 शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में मुझे यू.जी.सी. की **अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम प्रारूप (लर्निंग आउटकम बेस्ड करिकुलम फ्रेमवर्क)** के निर्माण हेतु **अखिल भारतीय संचालन समिति** में सदस्य नामित किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के माध्यम से मानवीय मूल्यों से ओत प्रोत सुसंस्कृत युवा का निर्माण करना ही हमारा अभीष्ट है। इससे विद्यार्थियों हेतु प्रासंगिक एवं व्यावहारिक ज्ञान के अवसरों में आशातीत वृद्धि होगी।

शैक्षिक संस्था की गुणवत्ता की स्थिति के आकलन के लिए मूल्यांकन एवं प्रत्यायन किया जाता है जिस हेतु विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) की गठित इकाई द्वारा मूल्यांकन की प्रक्रिया प्रारम्भ की जा चुकी है। इसी कड़ी में दिनांक 31 मार्च 2023 एवं 05 जुलाई 2023 को राजभवन में माननीय राज्यपाल महोदया के द्वारा नैक के प्रत्येक क्राइटेरिया का आंकलन किया गया एवं विश्वविद्यालय को **सर्वोत्तम अभ्यास (बेस्ट प्रेक्टिसेज)** के रूप में किन्नरों **(थर्ड जेन्डर)** पर कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया, जिसके अनुपालन में विश्वविद्यालय द्वारा भारत में **परलैंगिक** के अधिकार विषय पर विमर्श का आयोजन किया गया।

किसी भी विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान उसके द्वारा संपादित गुणवत्तापरक शोध से होती है। हमारा विश्वविद्यालय भी राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप शोध कार्य को निरन्तर प्रोत्साहित कर रहा है। विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों में पी0एच–डी0 पाठ्यक्रम 2014–15 से प्रारम्भ किया गया। उल्लेखनीय है कि सत्र 2022–23 में विभिन्न संकायों के अन्तर्गत कुल 50 शोधार्थियों को इस दशम् दीक्षांत समारोह में पी0एच–डी0 उपाधि से विभूषित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय महत्व के संस्थानों से अकादमिक सहयोग हेतु सहमति ज्ञापन (MOU) संपादित किया गया है। शोध कार्य में पारदर्शिता एवं मौलिकता कायम रखने हेतु विश्वविद्यालय स्तर पर **समानता विरोधी तन्त्रांश (एन्टी प्लेगरिज्म साफ्टवेयर)** का उपयोग किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय निरन्तर प्रयासरत है कि इस संस्था से शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार एवं आजीविका के अवसर सुलभ हों, इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु विश्वविद्यालय में **सेवायोजन रोजगार प्रकोष्ठ (प्लेसमेंट सेल)** क्रियाशील है। विश्वविद्यालय से उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों का केन्द्रीय, राज्य एवं अन्य सेवाओं जैसे–उच्च शिक्षा, न्यायिक सेवा, निजी क्षेत्र में **सेवायोजन** हो रहा है। वर्तमान सत्र में विश्वविद्यालय के 112विद्यार्थियों का प्लेसमेंट विभिन्न संस्थानों में हुआ।

उच्च शिक्षा के साथ ही खेल एवं क्रीड़ा के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर दिव्यांगजनों के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा एवं मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं से युक्त पूर्णतया बाधारहित इनडोर व आउटडोर दोनो ही प्रकार का सुसज्जित विशिष्ट स्टेडियम स्थापित है। जिसमें दिनांक 23.03.2023 से 26.03.2023 तक 5वीं राष्ट्रीय पैराबैडमिंटन चैंपियनशिप प्रतियोगिता–2023 का सफल आयोजन विश्वविद्यालय एवं पैरा बैडमिंटन एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इसमें पैराबैडमिंटन से जुड़े हुए ख्यातिलब्ध राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय

खिलाड़ियों ने प्रतिभागिता किया। इसके फाइनल मुकाबले में विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने पहली बार 5 ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया। विश्वविद्यालय के बी0ए0 प्रथम अधिसत्र के छात्र विवेक राणा ने ऑल इंडिया स्पोर्ट्स कौंसिल ऑफ द डेफ द्वारा इंदौर में आयोजित 25 वीं नेशनल डेफ सीनियर स्पोर्ट्स चौम्पियनशिप में 800मी दौड़ में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विश्वविद्यालय की बी0ए0 अंतिम अधिसत्र की छात्रा सुश्री कनक सिंह जादौन ने यूगांडा में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय पैरा बैडमिन्टन चैम्पियनशिप 2023 में महिला एकल प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त किया एवं छात्रा रुचि त्रिवेदी ने कुल 03 ब्रॉन्ज मैडल जीत कर देश और विश्वविद्यालय का नाम रौशन किया।

विश्वविद्यालय में स्थापित स्वामी विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों की आवश्यकता के दृष्टिगत स्तरीय पुस्तकों, पत्र–पत्रिकाओं एवं अन्य आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद केन्द्रीय पुस्तकालय में स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा स्थापित कर शोध केन्द्र की स्थापना की गयी। विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में दिनांक 29 मार्च 2023 को 'समर्थनम' ट्रस्ट फॉर द डिसेबल्ड एवं विश्वविद्यालय के मध्य एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित किया गया जिससे विश्वविद्यालय में अध्ययनरत् दिव्यांगों हेतु विभिन्न प्रकार के सहायक प्रौद्योगिकी के माध्यम से शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को सुगम बनाया जा सकेगा। इस अवसर पर समर्थनम ट्रस्ट ने विश्वविद्यालय को 20 कंप्यूटर, जॉस सॉफ्टवेयर एवं कीबो सॉफ्टवेयर प्रदान किया। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से मुद्रित पुस्तकों को 146 राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में ध्वनिकृत किया जा सकता है।

19 दिसंबर 2022 को डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ में सक्षम फाउंडेशन और सेठिया आयल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में दृष्टि दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु तकनीकी उपकरण संचालित करने संबंधी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसके तहत दृष्टि दिव्यांग शोधार्थियों को सक्षम फाउंडेशन और सेठिया आयल इंडस्ट्रीज लिमिटेड की ओर से कुल 09 निःशुल्क लैपलॉप वितरित किए गए।

दिनांक 21 जनवरी 2023 को उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन विभाग द्वारा दिव्यांगजनों हेतु ड्राइविंग लाइसेंस एवं अन्य प्रावधानों के सम्बन्ध में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के समस्त दिव्यांग शिक्षक, कार्मिक, विद्यार्थी इस कार्यक्रम से लाभान्वित और जागरूक हुए।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था के आकार को एक ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ाने के उद्देश्य से देश तथा विदेशों से पूंजी निवेश आकर्षित करने हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लखनऊ में यू.पी. ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2023 के आयोजन के दृष्टिगत वाणिज्य जगत् से जुड़े उद्योगपतियों, निवेशकों, व्यापारियों, प्रबन्धशास्त्रियों, विचारकों, बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों एवं नीति निर्धारकों की उपस्थिति में उत्तर प्रदेश में वृहद् पूंजी निवेश आकर्षित किये जाने हेतु दिनांक 04 फरवरी 2023 को विश्वविद्यालय में एक कार्यशाला आयोजित की गई। साथ ही **वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन (ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट)** में विश्वविद्यालय द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य रुप से कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केंद्र के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली सुविधाएं यथा कृत्रिम पैर, कॉस्मेटिक हाथ, स्प्लिंट तथा कैलिपर आदि के साथ कॉलेज फॉर डेफ, विशिष्ट स्टेडियम, ब्रेल प्रेस, आदि के बारे में आगंतुक निवेशकों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गयी।

दिनांक 09 फरवरी 2023 को विश्वविद्यालय परिसर में 300 किलो लीटर प्रति दिन (के. एल.डी.) की क्षमता वाले **वाहित मल शोधन संयंत्र (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट)** का लोकार्पण किया गया।

विश्वविद्यालय में इस संयंत्र की स्थापना से व्यापक पैमाने पर सीवेज के अशुद्ध पानी को पुनः शुद्ध कर इसे बागवानी में सिंचाई के प्रयोगार्थ लाया जाएगा।

विश्वविद्यालय में सत्र 2023–24 से भेषज् विज्ञान संस्थान (इस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी) की स्थापना करते हुए बैचलर इन फार्मेसी और डिप्लोमा इन फार्मेसी पाठ्यक्रम प्रारम्भ कर दिये गये है। इसके साथ ही बी.एस–सी इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी और बी.एस–सी कंप्यूटर साइंस का पाठ्क्रम भी प्रारम्भ कर दिया गया है।

दिनांक 18 अप्रैल, 2023 को दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग उ0प्र0 एवं यूनीसेफ के संयुक्त तत्वावधान में 'समावेशी शिक्षा का सम्मिलित दृष्टिकोण' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के समस्त विभागों के लगभग 100 प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया और अपने–अपने विभाग में दिव्यांग बच्चों हेतु चलाई जा रही विभिन्न कार्य योजनाओं के बारे में यूनीसेफ के प्रतिनिधियों एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के समक्ष रोचक प्रस्तुतीकरण दिया।

दिनांक 22 मई 2023 एवं दिनांक 14 जून, 2023 को **विश्व रक्तदान दिवस** के अवसर पर विश्वविद्यालय में **कुल 52 यूनिट रक्तदान** संपन्न हुआ।विश्वविद्यालय में **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस** (21 जून 2023) के अवसर पर एक साथ 1500 लोगों ने योग किया। जुलाई माह में **वन महोत्सव** आयोजन के अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय परिसर एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के माध्यम से समीपवर्ती गाँवों में कुल 5000 पौधों का रोपण संपन्न किया गया।

डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत कलावीथिका एवं **मूर्तिकला (स्कल्पचर)** कोर्ट में 'मेरी माटी मेरा देश'विषय पर चित्रकला, मूर्तिकला एवं अधिस्थापन का वृहद् आयोजन किया गया जिसमें इन विधाओं से सम्बन्धित विविध चित्रों को प्रदर्शित किया गया।

विश्वविद्यालय के इस दशम् दीक्षांत समारोह में 1622 विद्यार्थियों को उपाधियों से विभूषित एवं 112मेधावी विद्यार्थियों को 142पदकों से अलंकृत किया जा रहा है। इसमें 68पदक छात्राओं तथा 44 पदक छात्रों को मिले हैं। कुल 142 पदकों में 8दिव्यांग विद्यार्थियों ने11 पदक प्राप्त किये हैं।

मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि हमारे विद्यार्थी भावी जीवन में अपने चयनित क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान कर विश्वविद्यालय और राष्ट्र का मान बढ़ाने में सफल होंगें।